ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर

बुलेटिन संख्या-५६
दिनांक-शुक्रवार,१४ जुलाई,२०१७

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.१ एवं २५.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ सुबह में एवं दोपहर में ८२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.७ एवं दोपहर में ३०.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १७.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१५-१६ जुलाई,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १५-१६ जुलाई,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पूर्वानुमान के अवधि में अच्छी वर्षा की संभावना नही है। इस अवधि में मानसून के इस क्षेत्र में थोड़ी कमजोर रहने से कहीं-कहीं वर्षा हल्की हो सकती है। एक दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
२. अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
३. औसतन ६ से १० कि० मी० प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पुरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि तैयार गरमा मक्का की कटाई, दौनी तथा अनाज सुखाने का कार्य सावधानीपूर्वक करें।
- वातावरण में नमी बढ़ने से भंडार गृह में रखे अनाज में कीटो द्वारा हानी हो सकती है। अतः भंडारित अनाज की जाँच कर ले।
- धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर,२० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- मिश्रीकन्द की बुआई करें। बुआई के लिए राजेन्द्र मिश्रीकन्द १ एवं राजेन्द्र मिश्रीकन्द २ किस्म अनुशसित है। बीजदर १५ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २०० क्विंटल कम्पोस्ट, ४० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-४ मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- प्याज की नर्सरी से खर-पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़कने का कार्य करें।
- खरीफ मक्का की फसल जो २५-३० दिनों की हो गई हो उसमें बछनी का कार्य करें।
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। पपीता के पौधों की रोपनी करें।
- पहले से तैयाार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से वचाव हेतु ५ मी०ली० क्लोरपाइरीफॉस दवा १ ली० पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.० डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२६.२ डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी